Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 29 November 2020
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-12 Issue - 26
Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com

News of the Week देशभर में 2 दिसंबर तक कोविड–19 के मामलों की संख्या बढ़कर 94 लाख 99 हजार 414 हो गई है। अब तक 1 लाख 38 हजार 122 लोगों की मौत भी हो चुकी है। भारत में अब तक कुल एक्टिव मामलों की संख्या 4 लाख 28 हजार 644 है।

Inside Ghaziabad
पेज नंबर 2 तीन मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निलंबित, दस की तैयारी
पेज नंबर 7 Delhi-Meerut Expressway won't be able to meet...

TIRUPATI EYE

प्रत्येक शनिवार को बंद रहेगी अदालत

गाजियाबाद : कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद समेत कई जिलों की अदालत को बंद करने के आदेश दिए हैं। बार एसोसिएशन अध्यक्ष मुनीष त्यागी ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार अगले आदेश तक प्रत्येक शनिवार को अदालत बंद रहेगी।

कार चालक का किया हेलमेट का चालान

गाजियाबाद : मेरठ रोड पर एक कार चालक का ट्रैफिक पुलिस ने हेलमेट का चालान कर दिया है। पीडित ने इसकी शिकायत पुलिस अधिकारियों से की है। चिरंजीव विहार आकाश अग्रवाल ने बताया कि वह मेरठ रोड स्थित औद्योगकि क्षेत्र से होकर जा रहे थे। तभी पुलिस ने उनका हेलमेट का एक हजार रुपये का चालान कर दिया। औद्योगिक क्षेत्र में वह दो पहिया वाहन लेकर नहीं गए।

जलकल महाप्रबंधक हुए सेवानिवृत्त

गाजियाबाद : नगर निगम के जलकल विभाग में कार्यरत महाप्रबंधक बृजेश कुमार सिंह शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान शहर में जलापूर्ति की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए कई प्रयास किए, जिसकी वजह से जलापूर्ति की समस्या का सामना कर रहे क्षेत्र के निवासियों को राहत मिली है। शनिवार को हुए एक कार्यक्रम में नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने उनको विदाई दी।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
Bureau Chief
12/516, Friends Co-operative Society Vasundhra, Ghaziabad (UP)
Mobile +91 8130640011
Email : prateekb@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

अखिल भारतीय भार्गव सभा कल्चरल कमिटी ने किया ऑनलाइन ग्लोबल डांस कंपटीशन का आयोजन

कनाडा, सिंगापुर, दुबई, आस्ट्रेलिया सहित देश के 35 शहरों से 116 प्रतिभागियों ने कंपटीशन में लिया हिस्सा

गाजियाबाद : अखिल भारतीय भार्गव सभा कल्चरल कमिटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन ग्लोबल डांस कंपटीशन में अलग–अलग आयु ग्रुप में वाणी, मनस्वी, श्रेया भार्गव, रूचि व वैशाली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डांस प्रतियोगिता शाम साढ़े चार बजे से देर रात 11 बजे तक जूम पर ऑनलाइन आयोजित की गई। जिसमें देश–विदेश से 116 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ऑनलाइन ग्लोबल डांस प्रतियोगिता पांच आयु ग्रुप 5 से 10 वर्ष, 11 से 15 वर्ष, 16 से 20 वर्ष, 21 से 40 वर्ष तथा 41 वर्ष में ऊपर में बांटकर करायी गयी। प्रतियोगिता में विजेताओं के नामों का चयन तीन सदस्यीय टीम में शामिल जजिज मीनाक्षी तिवारी, अर्पिता चक्रवति व नेहा विश्वकर्मा ने किया। जयपुर के रिटायर्ड जस्टिस एसएन भार्गव ने अपनी पत्नी स्व. उषा भार्गव व दिल्ली के नागेंद्र प्रकाश भार्गव ने अपने पुत्र स्व.शिखर भार्गव की याद में इस पुरस्कार वितरण को प्रायोजित किया है। वहीं कानपुर एबीबीएस के उप प्रधान चंद्रेश भार्गव की तरफ से लकी ड्रा के माध्यम से छह सांत्वना पुरस्कार दिए गए, जिनमें प्रथम पुरस्कार प्रीति भार्गव का निकला जिन्हें 1500 रूपये दिए गए, द्वितीय पुरस्कार 1000 संध्या भार्गव जयपुर, तृतीय पुरस्कार प्रमोद भार्गव यूके 750 तथा दीपक भार्गव, रचना भार्गव कोटा व निशिता भार्गव चितौड़गढ़ को 500–500 रूपये दिये गये। प्रतियोगिता को फेसबुक पर भी लाइव दिखाया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने जुड़कर प्रतियोगिता का आनंद उठाया।

चीफ जूम को–ऑर्डिनेटर डॉ.धीरज कुमार भार्गव

गाजियाबाद ने बताया कि प्रतियोगिता में देश–विदेश से 116 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 22 नवंबर को 53 प्रतिभागियों का ही डांस हो सका था बाकि बचे 63 प्रतिभागियों का डांस अगले सप्ताह 29 नवंबर को कराया गया। जिसमें पांच आयु ग्रुप बनाए गए, इनमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों को 5100 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को 3100 रूपये, तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 2100 रूपये तथा सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वालों को 1000 रूपये इनाम स्वरूप दिए गए।

वेबिनार में आभा, अनन्या भार्गव, जेएल भार्गव, एके भार्गव, आलोक भार्गव, अनिल कुमार भार्गव, अनूप भार्गव, अंशिका भार्गव, अंतिमा, अर्पणा, अपूर्व भार्गव, आरती भार्गव, अरूण भार्गव, अयन भार्गव, बाल कृष्णा भार्गव, भक्ति भार्गव, सीएस भार्गव, दीपाली, देवेंद्र भार्गव, गोपाल सरोज भार्गव, कामिनी भार्गव, कपिल भार्गव अलवर, केपी भार्गव, मनीषा, मंजू भार्गव, मीनाक्षी, एनपी भार्गव, नमिता भार्गव, नवीन कुमार भार्गव, नवीन नेनवाल, नीलम भार्गव, नीलम संजय, नीता, नेहा भार्गव, निभा भार्गव, निरूपमा भार्गव, निष्ठा भार्गव, नीतिन भार्गव, पंकज इलाहाबाद, पूजा भार्गव, पूनम, पूनम अशोक, प्रदीप भार्गव, प्रवीन, प्रीति भार्गव, पुनीत भार्गव, रचना समीर, राजकुमार भार्गव, रजनी भार्गव, राजीव भार्गव, रवींद्र भार्गव, संदीप भार्गव, संगीता दिल्ली, संजय भार्गव, सतीश भार्गव, शिवराज भार्गव, शोभा भार्गव, शोभना भार्गव, सुरभि भार्गव, तनू भार्गव, वंदना भार्गव, वीना अलवर, विजय भार्गव, विजय नारायण, विनोद अलवर, विनोद भार्गव, विवेक भार्गव, अदिति भार्गव, अनिल भार्गव सहित 315 से अधिक लोग देश–विदेश से जुड़े हुए थे।...

शेष पेज तीन पर

वसुंधरा में बंदरों का आतंक

साहिबाबाद : ट्रांस हिंडन में लोग बंदरों के आतंक से परेशान हैं। वसुंधरा के विभिन्न सेक्टरों में बंदरों की वजह से लोग घर में कैद हो गए हैं। लोग डर के कारण बाहर निकलने से बचते हैं। बंदर कई लोगों को काट चुके हैं। लोगों का आरोप है कि नगर निगम से दर्जनों बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वसुंधरा सेक्टर तीन स्थित रेल विहार सोसायटी में वरिष्ठ नागरिक केएल मल्होत्रा परिवार के साथ रहते हैं। उनका कहना है कि सोसायटी में बंदरों का आतंक इतना ज्यादा हो गया है कि लोग घर से बाहर निकलने में डरते हैं। बंदर घर के अंदर ने घुसें इसलिए लोग खिड़की दरवाजे और बालकनी को बंद करके रखते हैं। एक माह में बंदर तीन लोगों को काट चुके हैं।

इसमें दूध विक्रेता अशोक पांडेय, स्थानीय निवासी रामरूप समेत एक घरेलू सहायिका को बंदर ने काटा है। ऐसे में लोगों में बंदरों की दहशत हो गई है। बच्चे घर से बाहर खेलने के लिए भी नहीं निकल रहे हैं। वहीं वसुंधरा सेक्टर चार वार्तालोक सोसायटी निवासी सौरभ सिंह का कहना है कि बंदरों का आतंक इतना हो गया है कि घर के बाहर से जूते चप्पल भी गायब हो जाते हैं। बालकनी में रखे गमले भी तोड़ देते हैं। कई लोगों को बंदर काट चुके हैं।

पोर्टल पर की जर्जर खंभे बदलवाने की मांग, निगम ने डलवाई मिट्टी

वैशाली : सेक्टर–छह में लोगों ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत कर जर्जर खंभों को बदलवाने की मांग की थी। शुक्रवार को बिजली निगम ने जर्जर खंभों के नीचे मिट्टी डलवा दी है। सेक्टर–छह में रहने वाले नंद किशोर नेगी बताते हैं कि काफी समय से कई खंभे जर्जर हो गए थे। बिजली निगम अधिकारियों से उन्हें बदलवाने की मांग की गई। लेकिन अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत कर खंभों को बदलवाने की मांग की गई। तो बिजली निगम के अधिकारी और कर्मचारियों ने कई बार निरीक्षण किया। लोगों का कहना है कि बिजली निगम ने मिट्टी डलवाकर इतिश्री कर दी है।

डीएम ने ली कोटेदार की बैठक

गाजियाबाद : जिले में सिंगल स्टेप परिवहन व्यवस्था में आ रही कठिनाइयों के चलते जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में ट्रांसपोर्टरों व कोटेदारों के साथ बैठक ली। बैठक में जिलाधिकारी ने दोनों को आपसी सामंजस्य के साथ काम करने के निर्देश दिए। डीएम ने कड़ी चेतावनी दी कि यदि किसी कोटेदार सहयोग करने में परेशानी आ रही है तो वह अपना लाइसेंस सरेंडर कर दे। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि डोर स्टेप डिलीवरी के लिए जिले में मुरादनगर को चुना गया है। यहां खाद्यान्न वितरण को लेकर ट्रासपोर्टरों व कोटेदारों के मध्य कई प्रकार की समस्याएं आ रही थीं। इन समस्याओं के समाधान के लिए ही यह बैठक बुलाई गई थी। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न आपूर्ति के लिए पूर्व में व्यवस्था थी कि सरकारी एफसीआइ गोदाम से एमआइ गोदाम मुरादनगर पर बड़ी गाडियों के माध्यम से खाद्यान्न सामग्री पहुंचाई जाती थी। इसके बाद एमआइ गोदाम से कोटेदारों तक छोटी गाडियों के माध्यम से खाद्यान्न की आपूर्ति कोटेदारों को उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन सरकार ने नियमों में बदलाव किए। इसके बाद कोटेदारों के सहयोग न करने से आपूर्ति में समस्या आ रही थी। इसके निस्तारण के लिए डीएम ने ट्रांसपोर्टरों को निर्देश दिए कि जहां तक संभव हो एफसीआइ के गोदाम से कोटेदार तक खाद्यान्न सामग्री पहुंचाई जाए। यदि किसी गांव या क्षेत्र में बड़ा ट्रक नहीं जा सकता है तो वहां कोटेदार अपने नजदीक एक ऐसा स्थान जहां वाहन के आवागमन जा सकता है को चिह्नित करें।

'मोदी–योगी पर है देश की जनता को विश्वास'

गाजियाबाद : देश व प्रदेश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर विश्वास है। यही कारण है कि हाल में कई प्रदेशों में हुए चुनाव में जनता ने भाजपा को चुना है। उत्तर प्रदेश में भी हुए विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा ने एक छोड़कर बाकी सभी सीट जीती है। विधान परिषद चुनाव में भी जनता भाजपा सरकार के अच्छे कार्यो को चुनेगी। यह बात गाजियाबाद के लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में आयोजित प्रबंधक/ प्राचार्य संवाद बैठक में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई शिक्षा नीति तैयार की है, जिससे शिक्षकों को लाभ होगा। उपमुख्यमंत्री गाजियाबाद में निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे।

तीन मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निलंबित, दस की तैयारी

गाजियाबाद : मेडिकल स्टोर के संचालक अब खुद ही डाक्टर बन गए है। मरीज के मौखिक अनुरोध पर मेडिकल स्टोर संचालक हर तरह की दवा दे रहे हैं। दवा खरीदने वालों का पूरा विवरण भी प्रशासन को नहीं दिया जा रहा है। ऐसे ही तीन मेडिकल स्टोर संचालकों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। दस अन्य के लाइसेंस निलंबित करने की तैयारी की जा रही है। दरअसल कोरोना रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा अगस्त माह में आदेश जारी किए थे कि कोई भी व्यक्ति बिना चिकित्सकीय परामर्श के यदि मेडिकल स्टोर से दवा खरीदता है तो उसकी निगरानी होगी। इसके लिए मेडिकल स्टोर संचालक को प्रतिदिन बुखार, खांसी, जुकाम और सांस लेने में परेशानी की दवा खरीदने वालों का ब्यौरा देना होगा। अधिकांश मेडिकल स्टोर के संचालक

अब तक डेढ़ हजार संक्रमित किए गए ट्रेस

एक अगस्त से 27 नवंबर के बीच मेडिकल स्टोर से बुखार की दवा खरीदने वाले 31,923 लोगों की निगरानी करने पर पाया गया कि तबियत खराब होने पर भी वे कोरोना की जांच नहीं करा रहे हैं। इनमें से 7453 की कोरोना जांच कराई गई तो 1,524 संक्रमित पाए गए। इनमें से 83 को गंभीर स्थिति में कोविड अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। पता चला है कि विगत एक महीने से कुछ मेडिकल स्टोर संचालकों ने दवा खरीदने वालों का विवरण देना कम कर दिया है। सर्दी, प्रदूषण के साथ संक्रमण बढने पर मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है।

विवरण बनाकर रोज प्रशासन को दे रहे हैं लेकिन कुछ नहीं दे रहे हैं। इनकी जांच की गई। करीब 22 ऐसे मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा प्रशासन के आदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। पहले चरण में औषधि निरीक्षक की संस्तुति पर शासन स्तर से जिले के तीन मेडिकल स्टोरों का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। इनमें शुभ मेडिकल स्टोर वसुंधरा, जेनरेक्स मेडिकोज साहिबाबाद और पेंटाग्लोब फार्मेसी लोनी शामिल है। विभाग ने दस अन्य मेडिकल स्टोर के संचालकों द्वारा दवा खरीदने वालों का विवरण न देने पर लाइसेंस निलंबित करने की फाइल बना ली है। बताया गया है कि अगले दो–तीन दिन में इनके लाइसेंस भी निलंबित किए जा सकते हैं।

बच्चों को मास्क, स्वेटर, जूते–मौजे बांटे

गाजियाबाद : जिले में तीन खंड शिक्षा क्षेत्रों में परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को स्वेटर, जूते, मौजे व मास्क का वितरण कर दिया गया है। दो ब्लाक के बच्चों के लिए स्वेटर आ चुके हैं। समिति द्वारा कपड़े की गुणवत्ता आदि की जांच के बाद हफ्ते भर में वितरण किया जाएगा। शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय कविनगर में बेसिक शिक्षा अधिकारी बृजभूषण द्वारा बच्चों को स्वेटर व जूतों का वितरण किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी बृजभूषण चौधरी ने बताया कि स्वेटर व जूते मौजे की गुणवत्ता जांच के लिए प्रशासन द्वारा समिति बनाई गई है। तीन खंड शिक्षा क्षेत्र लोनी, मुरादनगर व नगर क्षेत्र में समिति द्वारा स्वेटर व जूते मौजे जांच के बाद वितरित कराए गए हैं। जबकि दो खंड शिक्षा क्षेत्रों में करीब हफ्ते भर में वितरण किया जाएगा।

कोविड प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर तीन अस्पतालों को नोटिस जारी

गाजियाबाद : दिल्ली में कोरोना के बढ़ते हुए प्रकोप के कारण जिले में संक्रमण बढने की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया है। इसके चलते निजी व सरकारी अस्पतालों में कोविड–19 के प्रोटोकॉल के पालन के लिए औचक निरीक्षण की योजना बनाई गई है। बुधवार को प्रशासनिक टीम ने निजी व सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण किया और यहां प्रोटोकॉल का पालन कराए जाने के निर्देश दिए। तीन अस्पतालों में प्रोटोकॉल का उल्लंघन पाए जाने पर उन्हें नोटिस जारी किया गया है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि कोविड अस्पतालों में निर्धारित बिंदुओं पर जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में एडीएम सिटी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय अग्रवाल, संतोष मेडिकल कॉलेज इएनटी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. सुशील गौड़, जिले के नोडल अधिकारी आरके गुप्ता को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को टीम ने अस्पतालों का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए गए कि वह अपने यहां मरीज फीडबैक पंजिका अनिवार्य रूप से रखें व मरीजों का उसमें फीडबैक अवश्य अंकित कराएं। समय–समय पर टीम इस पंजिका को चैक करेगी। सभी अस्पताल अपने यहां मुख्य सूचना पट पर रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से अंकित करें। अस्पतालों में कोविड प्रोटोकाल के अनुसार एंटी व एग्जिट गेट पाए गए। इसके अलावा तीन अस्पतालों के खिलाफ कोरोना प्रोटोकाल का उल्लंघन पाए जाने पर नोटिस जारी किए गए।

पुलिस विभाग में नौकरी के नाम पर तीन लाख ठगे

गाजियाबाद : पुलिस विभाग में पोते की नौकरी लगवाने के नाम पर वृद्ध से तीन लाख रुपये ठग लिए। कोर्ट के आदेश पर थाना विजयनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। एसएचओ महावीर सिंह ने बताया कि सिद्धार्थ विहार निवासी यादराम की तहरीर पर पवन, रूपेश कुमार और विजेंद्र कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ित के मुताबिक बेटे की मौत के बाद वही अपने पोते हितेश का पालन–पोषण कर रहे हैं। आरोपित क्षेत्र में रहते हैं, जिस कारण जान–पहचान हो गई। आरोपितों ने चार साल पूर्व गाजियाबाद में तैनात किसी इंस्पेक्टर से करीबी संबंध बता हितेश की नौकरी लगवाने के नाम पर 3.51 लाख रुपये लिए थे। नौकरी नहीं लगने पर आरोपित 50 हजार रुपये लौटाकर फरार हो गए थे।

सरकारी योजनाओं को बैंकों में लग रहे हैं ब्रेक

गाजियाबाद : स्वरोजगार के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को बैंकों में ब्रेक लग रहे हैं। अभी तक एक हजार से अधिक आवेदकों में 191 के ऋण स्वीकृत हुए हैं, जिनमें अभी ऋण पाने वालों की संख्या 100 तक नहीं पहुच सकी है। माटीकला योजना की बात करें तो इसमें 19 आवेदनों में पांच स्वीकृत जरूर हुए, लेकिन किसी आवेदक को बैंकों से ऋण नहीं मिला है। सरकार की ओर से बेरोजगार व युवाओं को स्वरोजगार से जोडने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, माटीकला, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना आदि शामिल हैं, जो खादी ग्रामोद्योग आयोग व बोर्ड के अलावा जिला उद्योग केंद्र की ओर से संचालित हो रही हैं। खादी ग्रामोद्योग बोर्ड से संचालित माटीकला योजना में 19 आवेदन हुए, जिसमें चार निरस्त हुए और पांच स्वीकृत किए गए। हैरानी की बात यह है कि स्वीकृति के बावजूद अभी तक एक भी आवेदक को ऋण नहीं मिला, जबकि 10 आवेदन लंबित हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना में 624 आवेदनों में से 388 निरस्त हुए, जबकि 96 को स्वीकृत किया गया। इनमें सिर्फ 41 को एक करोड़ 30 लाख 42 हजार रुपये का ऋण मिल सका है। 140 आवेदन अभी लंबित पड़े हैं। वहीं, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 252 आवेदनों में 137 निरस्त व 62 को स्वीकृत किया गया। इनमें से 30 आवेदकों को 59 लाख 87 हजार का ऋण दिया गया। एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत 146 आवेदन में से 74 निरस्त व 35 को स्वीकृत किया गया।

अलग–अलग आयु डांस ग्रुप में वाणी, मनस्वी, श्रेया भार्गव, रूचि व वैशाली ने हासिल किया प्रथम स्थान

प्रथम पेज का शेष... प्रतियोगिता के विजेताओं का निर्णय जजिज मीनाक्षी तिवारी पाठक, अर्पिता चक्रवर्ति व नेहा विश्वकर्मा ने किया। प्रथम डांस ग्रुप पांच से दस आयु वर्ग में 28 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस ग्रुप डांस में हैदराबाद की वाणी ने प्रथम स्थान, देहरादून की आराध्या व जयपुर की अक्षानी ने द्वितीय पुरस्कार, प्रयागराज की सानवी भार्गव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि रेवाडी की अनन्या ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। दूसरे डांस ग्रुप 11 से 15 आयु वर्ग में 24 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस ग्रुप डांस में भरतपुर की श्रेया भार्गव ने प्रथम, जयपुर की मान्या ने द्वितीय तथा लखनऊ की सांझी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीसरे ग्रुप डांस 16 से 20 आयु वर्ग में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस ग्रुप डांस में ऊज्जैन की वैशाली ने प्रथम, जयपुर की आरोही ने द्वितीय, लखनऊ की आयुषि ने तृतीय तथा कोटा की अंतिमा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। चौथे डांस ग्रुप 21 से 40 आयु वर्ग में 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस ग्रुप डांस में जोधपुर की मनस्वी ने प्रथम, जयपुर की स्तुति ने द्वितीय तथा यूके कनाडा की प्रिया ने तृतीय तथा मुंबई की तनू ने सांत्वना पुरस्कार पर कब्जा जमाया। वहीं पांचवें व अंतिम डांस ग्रुप 41 वर्ष से ऊपर में 19 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस ग्रुप डांस में जयपुर की रूचि ने प्रथम स्थान, आगरा की प्रीति की द्वितीय, गाजियाबाद की शिखा की तृतीय तथा गुडगांव की अनुप्रीति ने सांत्वना पुरस्कार जीता। प्रथम पुरस्कार में 5100 रूपये, द्वितीय पुरस्कार में 3100 रूपये, तृतीय पुरस्कार में 2100 रूपये तथा सांत्वना पुरस्कार में 1000 रूपये की राशि इनाम स्वरूप दी गई।

अखिल भारतीय भार्गव सभा (एबीबीएस) के अध्यक्ष नरेश भार्गव

ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज राजुल भार्गव, प्रधान सचिव एचएन भार्गव व समस्त कार्यकारिणी सदस्य व सांस्कृतिक समिति के पदाधिकारियों व सभा के सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम 22 नवंबर को शुरू किया गया था। यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि हमारी सांस्कृतिक समिति ने एक प्लेटफार्म पर कोरोना काल में असंभव को संभव करके दिखाया। छोटे बच्चों ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया, जो कोबिले तारीफ है। नरेश भार्गव ने इस कार्यक्रम की एंकरिंग करने वाले लखनऊ से राकेश भार्गव को 5100 रूपये का पारितोषिक देने की घोषणा की।

एबीबीएस गुरूग्राम के प्रधान सचिव हरेंद्र नाथ भार्गव ने सभी का

सभा की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर सभी का मनोबल ही नहीं बढ़ाया बल्कि सभी को प्रोत्साहित किया है। इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी होते रहे। देश के 30 शहरों के अलावा विदेश से भी 116 प्रतिभागियों ने इस कंपटीशन में भाग लिया है यह गर्व की बात है। कोरोना को लेकर इस बार यह कार्यक्रम ऑनलाइन कराना पड़ा।

चीफ कोर्डिनेटर लखनऊ से राकेश भार्गव ने कहा कि यूं तो हर

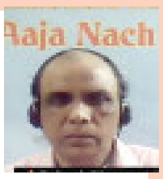

दिल किसी दिल पर फिदा होता है, प्यार करने का तौर मगर जुदा होता है, आदमी लाख संभल ले पर भी, गिरता है मगर झुक कर जो उठा ले उसे वो खुदा होता है। ऐसे खुदा के नेक बंदे हमारे नागेंद्र हमारे साथ है जिनका साथ हमें मिलता रहता है। दिल्ली के नागेंद्र प्रकाश भार्गव ने अपने पुत्र स्व. शिखर भार्गव व जयपुर के रिटायर्ड जस्टिस एसएन भार्गव ने अपनी पत्नी स्व.उषा भार्गव की याद में इस पुरस्कार वितरण को प्रायोजित किया है।

माननीय जज, इलाहाबाद हाईकोर्ट राजुल भार्गव ने बताया कि अखिल भारतीय भार्गव सभा की सांस्कृतिक समिति के सहयोग से देश–विदेश से करीब 116 प्रतिभागी इस कंपटीशन में भाग ले रहे है। एक मंच पर इतना बड़ा प्रोग्राम कराने वाले सभी साथियों को मैं धन्यवाद देता हूं।

एबीबीएस जोधपुर के पूर्व अध्यक्ष एसएन भार्गव ने कहा कि कार्यक्रम बहुत ही अच्छा रहा। दर्शकों के बार–बार मैसेज आ रहे है कि इस तरह के कार्यक्रम होने चाहिए। इसके लिए सभी आर्गोनाइजर बधाई के पात्र है। आगे भी ऐसे प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा।

जोधपुर एबीबीएस के सचिव प्रमोद भार्गव ने कहा कि हालांकि इस

कार्यक्रम में परेशानी भी बहुत आई लेकिन सभी बाधाओं को दूर कर यह कार्यक्रम आपके सम्मुख प्रस्तुत किया गया। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से ही हमारे समाज में छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलता है। जिससे वे राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सके।

एबीबीएस की सांस्कृतिक समिति की अध्यक्षा शैलजा लखनऊ

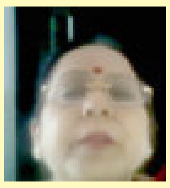

ने मुख्य अतिथि राजुल भार्गव, सांस्कृतिक समिति में तीनों निर्णायक के अलावा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी सहयोगियों का स्वागत किया। इन पैरों से बच्चों जब तुम धरती को चूमते हो, नांच उठती है धरती साथ में जब तुम झूमते हो।

गुरूग्राम से एबीबीएस की सांस्कृतिक समिति की सलाहकार डॉ. नलिनी भार्गव

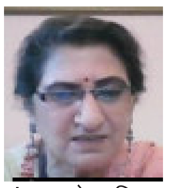

ने कहा कि आज की शाम और अधिक खूबसूरत है इस शानदार लाजवाब शाम के अखिल भारतीय भार्गव सभा सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित ऑनलाइन ग्लोबल डांस प्रतियोगिता इस भव्य समारोह में आज पुनः हमारे निर्णायक मंडल के परिचय कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आप सभी से एक बार पुनः रूबरू होने का मुझे मौका मिला है। सोलह कला समाहित होंगी, टिम–टिम करेंगे तारे, नूपूर की झनकारों से गूजेंगे, धरती–आसमान प्यारे, आज शाम को भव्य होगा उत्सव, ऐसे नृत्य हो जाएंगे, थाप पड़ेगी ऐसी धरती पर कि जीवन नृत्य हो जाएंगे।

इलाहाबाद से एबीबीएस कल्चरल कमिटी के सचिव पंकज भार्गव

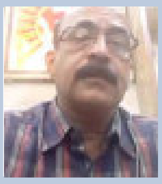

ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षो की भांति इस बार हम सब लोग फिजिकल तो एकत्रित नहीं हो सकते पर कुछ यादगार पल को सजोने के लिए जो प्रयत्न किया गया है, यह बहुत ही सराहनीय है। यह प्रतियोगिता आप सब की मेहनत का फल है, जो आज लेटेस्ट टेक्लोनोजी है उसके माध्यम से अपने परिवार के बच्चों, व्यस्कों और महिलाओं का ऑनलाइन कार्यक्रम घर बैठे देख सकते है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और इसे यादगार पल बताया।

EDITORIAL

Closer to punishment: On Tahawwur Rana's role in 26/11 attacks

More than 12 years since the dastardly attacks across prominent locations in Mumbai, its key conspirators have continued to evade justice in India. While nine of the attackers were shot dead by the police between November 26-29, 2008, one of them, Ajmal Kasab, was apprehended and sentenced to death after a trial that revealed the conspiracy and planning by LeT operatives among others responsible for the attacks. One among the foreign collaborators is Tahawwur Rana, who conspired with former FBI agent David Headley to assist the LeT in the planning and execution. Rana, a Pakistani-Canadian citizen, was found guilty by a U.S. court in 2011 of providing material support to the LeT and planning an attack on the offices of the Danish newspaper, Jyllands-Posten, and was later sentenced to 14 years in prison. Unlike Headley, who escaped extradition after entering into a plea bargain with the U.S. prosecutors and was sentenced to 35 years in prison, Rana was acquitted in the U.S. of charges of involvement in the 2008 terror attacks. An Illinois court commuted his jail sentence that was scheduled to end in September 2021, after he tested positive for COVID-19; this has opened the window for his extradition to India. Rana, according to Headley, had helped him to open an immigration firm in Mumbai, which was used by Headley to survey targets chosen by the LeT. An extradition memorandum filed by U.S. prosecutors in a California district court has reaffirmed Rana's role and provides more detail into the conspiracy and the knowledge shared with him by Headley about the attacks. This should provide the U.S. court enough reason for Rana's extradition to India to face punishment.

The trial of Ajmal Kasab exposed the collusion of the Pakistan deep state with terrorist organisations. Arguably, this has helped in a dramatic reduction in terror targeting civilians in India. Groups such as the LeT and JeM have changed their modus operandi to target security forces since then. The scrutiny over Pakistan has been accentuated by the FATF's decision to retain Pakistan on its greylist. Yet, Pakistan has done little to bring the culprits of the 26/11 attacks to book — a case in point being LeT chief Hafiz Saeed who has been sentenced to prison for terror financing but has eluded justice for his role in the 2008 attacks by never being charged despite being identified by Ajmal Kasab and Headley as a mentor with knowledge of the attacks. Rana's extradition would go a long way in bringing justice to the nearly 160 victims of the Mumbai attacks and shed further light on cross-border terror.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

हर विकास कार्य की जांच के लिए बनेगी अलग–अलग टीएसी : डीएम

गाजियाबाद : जिले में होने वाले विकास व प्रत्येक निर्माण कार्यों की जांच के लिए अब अलग–अलग टीएसी (टेक्निकल एडवाइजरी कमेटी) बनेगी। यह टीएसी अब निर्माण व विकास कार्यों की जांच करेगी। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने शुक्रवार को 14वें वित्त एवं स्थापना निधि से होने वाले निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान पूर्व से चली आ रही टीएसी को भंग कर दिया गया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों व अवर अभियंताओं को निर्देश दिए कि निर्माण संबंधी कार्य गुणवत्तापूर्ण व तय समय सीमा के तहत पूरे कराए जाएं। यदि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निर्माण कार्यो में किसी प्रकार की भी कमीशनखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान उन्होंने एडीएम भूमि अध्याप्ति को निर्देश दिए कि 14 जुलाई 2019 से वर्तमान तक जितने भी निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, उनकी प्रगति से अवगत कराएं। सूची मिलने के बाद इन कार्यो की गुणवत्ता की जांच अलग–अलग टीएसी गठित करके कराई जाएगी। यह समिति निर्माण कार्यो की गुणवत्ता की जांच तो करेगी ही, साथ ही साथ कार्य के बजट की औचक जांच व टैंडर की मूल पत्रावली की जांच भी करेगी। इसके बाद ही भुगतान कराया जाएगा। डीएम ने नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि 10 दिन के भीतर वह अपने यहां होने वाले निर्माण कार्यों के प्रस्ताव मुख्यालय पर उपलब्ध करा दें। इसके साथ ही उन्होंने अपने–अपने क्षेत्र में कोरोना को लेकर आमजन से कोविड–19 के प्रोटोकॉल का पालन कराने व प्रदूषण के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

'जल्द शुरू होगा बंद पड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट'

गाजियाबाद : लोनी स्थित डीएलएफ में बंद पड़े वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को मरम्मत होने के बाद जल्द ही शुरू किया जाएगा। जिससे क्षेत्र की डीएलएफ और उसके आस–पास की कालोनी में रहने वाले लोगों को जलभराव की समस्या से मुक्ति मिलेगी। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र में पानी निकासी के लिए शहर में लालबाग और डीएलएफ में दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित है। देखरेख के अभाव में डीएलएफ कालोनी स्थित तीस एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट करीब पिछले कुछ वर्ष से बंद पड़ा हुआ था। जिससे डीएलएफ और आस–पास की कालोनियों में रहने वाले लोग आए दिन होने वाली जलभराव की समस्या से परेशान थे। समस्या से आला अधिकारियों को अवगत कराकर समस्या का समाधान किए जाने की मांग की गई थी।

जोरदार भिड़ंत से कार व ट्रक में लगी आग, कंपनी मैनेजर की मौत

साहिबाबाद : इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित शिप्रा अंडरपास पर शुक्रवार रात करीब ढाई बजे गलत दिशा में आ रहे ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत होते ही दोनों वाहनों में आग लग गई। कार सवार निजी कंपनी के मैनेजर की उपचार के दौरान मौत हो गई। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। अग्निशमनकर्मियों ने आग पर काबू पाया। शुक्रवार रात करीब ढाई बजे शिप्रा अंडर पास पर गलत दिशा से एक ट्रक पहुंच गया। ट्रक ने यूपी गेट की ओर से आ रही कार में टक्कर मार दी। दोनों वाहनों में टक्कर होने से पास में सो रहे मजदूरों की नींद खुल गई। मजदूर मौके पर पहुंचे, तो कार में एक युवक खून से लथपथ पड़ा था। मजदूरों ने युवक को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। तब तक दोनों वाहनों में आग लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आग लगने से कार पूरी तरह से जल गई। ट्रक का अगला हिस्सा जल गया। मृत युवक की शिनाख्त पुनीत अग्रवाल निवासी एच रोड एच पार्क कालोनी महानगर विस्तार लखनऊ के रुप में हुई। वह यहां मां, पत्नी व दो साल के बेटे के साथ नोएडा सेक्टर 74 सुपरटेक केपटाउन में रहते थे। नोएडा स्थित एक निजी कंपनी में प्रबंधक थे। उनकी कार फ्रीडम फाइटर कालोनी नई दिल्ली के पते पर पंजीकृत थी। पूर्व में वह वहीं पर किराए पर रहते थे। रात में वह कहां से आ रहे थे, अब तक इसकी जानकारी नहीं हो सकी है। इंदिरापुरम थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव शर्मा ने बताया कि ट्रक चालक फरार हो गया है। मामले में शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दोपहर तक बंद रहा रास्ता

दोनों वाहन शिप्रा अंडर पास कट के पास शनिवार दिन में भी खड़े रहे। इससे रास्ता अवरुद्ध रहा। पुलिस ने बैरियर लगाकर इस ओर आने वाले वाहनों को दूसरे रास्ते से गुजारा। इससे राहगीरों को काफी दिक्कत हुई।

10 तक शुरू हो जाएगा मोहन नगर एफओबी

साहिबाबाद : गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से मोहन नगर चौराहे पर बनवाया गया फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) 10 दिसंबर से शुरू हो जाएगा। इसके लिए लोगों एफओबी पर दो एस्केलेटर लगा दिया गया है। तीसरा एस्केलेटर लगाने के लिए पेड़ काटना पड़ेगा। इसके लिए अभी वन विभाग से एनओसी नहीं मिली है। एफओबी के चालू होने पर मोहन नगर चौराहे पर हजारों लोगों को सड़क पार करने में राहत मिलेगी। मोहन नगर चौराहे पर अभी हजारों लोग रोजाना जान जोखिम में डालकर लिंक रोड व जीटी रोड पार करना पड़ता है। लोगों की सुविधा के लिए जीडीए ने मोहन नगर चौराहे पर वर्ल्ड स्क्वायर माल के सामने से लिंक रोड पर पहले से एफओबी तक नया एफओबी बनवाया है। नए एफओबी में वर्ल्ड स्क्वायर माल की ओर और पुराने एफओबी में एक तरफ एस्केलेटर लगाया जा चुका है। पुराने एफओबी में दूसरी तरह एस्केलेटर लगाने का काम रुका हुआ है। दरअसल, जहां पर एफओबी लगना है। वहां दो पेड़ हैं। इन पेड़ों को काटना पड़ेगा। पेड़ों को काटने के लिए जीडीए के अधिकारियों ने वन विभाग को पत्र लिखा है। दो माह से ज्यादा समय हो गया है। अभी तक वन विभाग से जीडीए को एनओसी नहीं मिली है। एनओसी मिलने के 15 दिन के भीतर पुराने एफओबी में दूसरी ओर भी एस्केलेटर लगा दिया जाएगा। अधीक्षण अभियंता जीडीए एसके सिन्हा ने बताया कि वन विभाग से एनओसी मिलने में समय लग सकता है। ऐसे में दो एस्केलेटर की मदद से एफओबी को चालू करने की योजना बनाई जा रही है। संभवतरू 10 दिसंबर तक एफओबी को चालू कर दिया जाएगा। इसके बाद लोगों को सड़क पार करने में राहत मिल जाएगी।

फैक्टरियों के प्लास्टिक वेस्ट से होगा क्षेत्र का सुंदरीकरण

गाजियाबाद : शहर में प्लास्टिक वेस्ट से उत्पाद बनाने का कार्य नगर निगम द्वारा कराया जा रहा है। इसकी क्षमता रोजाना दस टन प्लास्टिक वेस्ट का निस्तारण करने की है। ऐसे में नगर निगम अब फैक्टरियों से भी प्लास्टिक लेकर उनसे उत्पाद बनाया जाएगा। फैक्टरियों से ली जाने वाली प्लास्टिक से बने उत्पाद से आसपास के क्षेत्र में ही सुंदरीकरण का कार्य कराया जाएगा। प्लास्टिक वेस्ट से उत्पाद बनाने के लिए नगर निगम ने करहेड़ा में एक प्लांट बनाया है। जहां पर कूड़े में मिली प्लास्टिक से घड़ी, बेंच, ट्री गार्ड सहित अन्य उत्पाद बनाए जाते हैं। ट्रायल के तौर पर कार्य भी शुरू हो चुका है। जल्द ही प्लांट का उदघाटन भी किया जाएगा।

सरकारी विभागों पर 14 करोड़ का बकाया, फिर भी बिजली से दफ्तर रोशन

गाजियाबाद : बिजली महकमा पांच से 10 हजार रुपये से अधिक बिजली बिल बकाया होने पर बत्ती गुल कर देता है, लेकिन बात अगर सरकारी दफ्तरों की करें तो कार्यवाही के नाम पर सिर्फ रिमाइंडर भेजे गए। सरकारी कार्यालयों पर करीब 14 करोड़ रुपये का बकाया है। बकायेदार महकमों की सूची में ग्राम्य विकास विभाग पर ढ़ाई करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। बिजली बिल के बकाया वसूली को लेकर बिजली विभाग के तमाम अभियान जारी हैं। वहीं, बकाया अगर सरकारी विभागों का हो तो विद्युत विभाग के अधिकारियों की कार्रवाई की गति कछुए को भी मात देती दिखाई पड़ती है। सरकारी विभाग गाजियाबाद में बिजली विभाग का 13 करोड़ 92 लाख रुपये से अधिक का बकाया दबाकर बैठे हैं। पुलिस से लेकर शिक्षा, चिकित्सा, ग्राम्य विकास, आवास व न्याय विभाग तक बिजली का बिल चुकाए बिना मुफ्त की बिजली से दफ्तर रोशन कर रहे हैं। चीफ इंजीनियर पीवीवीएनएल आरके राणा ने बताया कि विभागों को बिजली बिल बनने के साथ–साथ भेज दिए जाते हैं। अधिक बकायेदार संबंधित विभागों के मुख्य कार्यालयों को भेजे गए हैं। इनमें से कई विभागों से बिल की अदायगी हो चुकी है। अभी बकाया करीब 14 करोड़ रुपये चल रहा है। इसकी वसूली के लिए भी विभागीय स्तर से कार्रवाई की जा रही है। जनपद के करीब दो दर्जन सरकारी विभागों पर 13 करोड़ 92 लाख सात हजार रुपये बकाया है। इसमें कई विभागों ने काफी समय से बिल जमा नहीं कराया है।

सिटी फॉरेस्ट की सुरक्षा के लिहाज से जीडीए बनवाएगा चारदीवारी

साहिबाबाद : करहैडा के पास स्थित सिटी फॉरेस्ट की गाजियाबाद विकास प्राधिकरण चारदीवारी कराएगा। क्योंकि कुछ दिन पूर्व जिले के कविनगर क्षेत्र में एक तेंदुआं देखा गया था जो गायब हो गया। यदि तेंदुआ सिटी फारेस्ट में घुस गया तो जनहानि हो सकती है। साथ ही तेंदुआ को पकड़ना भी मुश्किल होगा। लिहाजा जीडीए ने चारदीवारी बनाने की योजना बनाई है। जीडीए ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सिटी फॉरेस्ट को बनाया है। सिटी फारेस्ट में घूमने के लिए दिल्ली, नोएडा व गाजियाबाद के विभिन्न स्थानों से सैकड़ों लोग रोजाना आते हैं। सिटी फारेस्ट में पैदल चलने के लिए पगडंडी, साइकिल ट्रैक, घुड़ सवारी की सुविध

ा, खुली जिप्सी, जीप सवारी, वोड्क्षटग समेत अन्य सुविधा है। यहां खरगोश और बतख पार्क भी है। यहां पर नीम, बांस, आंवला, जामुन, अर्जुन समेत दर्जनों प्रजाति के लाखों पेड़ पौधों से सिटी फारेस्ट प्राकृतिक जंगल एहसास कराता है। सिटी फॉरेस्ट को ए से आई तक नौ खंडों में बांटा गया है। प्रत्येक खंड की अपनी अलग विशेषता है। इतना ही नहीं सिटी फारेस्ट में कैंटीन की भी सुविधा है। जीडीए के उद्यान प्रभारी एके

धरी रह गई तमाम तैयारियां, नहीं पहुंचे उर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा

गाजियाबाद : उर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के दौरे को लेकर विद्युत विभाग की ओर से तमाम तैयारियां धरी रह गई। शुक्रवार को शहर के चिरंजीवी विहार बिजलीघर के निरीक्षण करना था। इसके लिए विभागीय अफसरों की ओर से तैयारी की जा रही थी। उनका लाइनलोस के अलावा राजस्व वसूली, फीडर आदि देखने के साथ ही उपभोक्ताओं के साथ सीधी बात का कार्यक्रम भी रखा गया था। उर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा का कुछ उपभोक्ताओं के घर जाकर संवाद करना था। समय से कुछ पहले ही उनका दौरा टलने की विभागीय अधिकारियों को सूचना मिली। वह दिल्ली से लखनऊ के लिए निकल गए।

विधायक ने बिजली कर्मी समेत तीन पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

लोनी : विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने शनिवार को नाईपुरा सबस्टेशन में कार्यरत एक बिजली कर्मचारी समेत तीन अन्य पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए बार्डर थाना पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नाई पुरा बिजली घर में कार्यरत एक बिजली कर्मचारी समेत अन्य तीन साथी क्षेत्र में रहने वाले लोगों से बिजली का बिल कम और ठीक करने की एवज में अवैध उगाही कर रहे है। उन्होंने बताया कि कर्मियों ने एक पीडित पर सात लाख पचास हजार रुपए का बिल बकाया बताकर अवैध वसूली करने का प्रयास किया। जबकि उपभोक्ता का बिल जमा था। वहीं, दूसरी ओर कर्मचारियों ने पीडित से बिजली का का परमानेंट डिस्कनेक्शन (पीडी) करवाने के नाम पर तीस हजार रुपये ले लिए। आरोप है कि पैसे लेने के बाद उपभोक्ता कार्य नहीं किया गया। वहीं पैसे मांगे वापस जाने पर कर्मचारी और उसके साथियों ने उपभोक्ता को जान से मारने की धमकी दी। अधिशासी अभियंता रमेश कृष्णानी का कहना है कि पीडितों की शिकायत पर बिजली कर्मचारी की विभागीय जांच के निर्देश दिए गए है। मामला सही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं बार्डर थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर बौद्ध ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त ने किया समस्याओं का निस्तारण

गाजियाबाद : नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने शुक्रवार को शहर के प्रवेश द्वारों के साथ ही हरसांव, गोविंदपुरम, कड़कड़ मॉडल का भी निरीक्षण कर समस्याओं का निस्तारण करवाया। निरीक्षण के लिए नगर आयुक्त हरसांव पहुंचे तो स्थानीय निवासियों ने बताया कि तालाब की ओर जा रहे पानी की निकासी ठीक न होने के कारण जलभराव की समस्या होती है। उन्होंने जलभराव की समस्या दूर करने के लिए तुरंत ही जेसीबी मंगवाकर कार्य शुरू करवाया। साथ ही तालाब के सुंदरीकरण के लिए भी अधिनस्थों को निर्देश दिए। इसके बाद वह गोविंदपुरम पहुंचे। वहां पर नगर निगम की वह संपति जो इस्तेमाल नहीं की जा रही है, उसकी सूची तैयार कर नीलामी की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।

31 दिसंबर को होगा रोजगार मेले का आयोजन

गाजियाबाद : साल 2020 का आखिरी दिन शहर के एक हजार बेरोजगार युवाओं के लिए खुशहाली लेकर आएगा। दस माह से नौकरी के लिए रोजगार मेले के आयोजन के इंतजार में बैठे युवाओं के हुनर को परखने के लिए उस दिन न केवल जिले बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों से भी कंपनियों के पदाधिकारी शहर में आएंगे। क्योंकि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत अब गाजियाबाद में रोजगार मेले के आयोजन के लिए 31 दिसंबर 2020 का दिन निर्धारित कर दिया है। आखिरी बार इस मेले का आयोजन जनवरी 2020 में जनपद में किया गया था। मेले में जनपद के एक हजार हुनरमंदों को नौकरी दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शासन से निर्देश मिलने के बाद जिला स्तर पर तैयारी भी शुरू कर दी गई है। कम पढ़े लिखे अथवा आर्थिक तंगी या दूसरी वजह से पढ़ाई छोडने वालों को जीवनयापन में कठिनाई का सामना न करना पड़े, वे हुनरमंद बनकर अलग–अलग क्षेत्रों में काम कर सकें। इसके लिए कौशल विकास मिशन के तहत उनको प्रशिक्षण दिलाया जाता है। इसके लिए जनपद में अलग–अलग स्थानों पर 16 प्रशिक्षण केंद्र हैं। जहां सिलाई–कढ़ाई, हेल्थ केयर के साथ ही कंप्यूटर ऑपरेटर, अकाउंटेंट, इलेक्ट्रीशियन बनने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण केंद् में विशेषज्ञ प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षुओं को हुनरमंद बनाते हैं। कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक राधा कृष्ण ने बताया कि रोजगार मेले का आयोजन दस माह बाद जनपद में होगा।

2,333 युवाओं को है नौकरी का इंतजार

जनपद में 2018–19 में 4007 बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित कर नौकरी दिलाने लक्ष्य निर्धारित किया गया था। तय समय में 5033 बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण दिलाया गया और 2,700 प्रशिक्षितों को नौकरी दिलाई गई। 2,333 हुनरमंद नौकरी की तलाश में है। हुनरमंदों को नौकरी दिलाने के लिए मार्च 2020 में मंडल स्तर पर मुजफ्फरनगर में रोजगार मेले का आयोजन करने की तैयारी की गई थी, लेकिन कोरोना के कारण मेले का आयोजन नहीं हो हो सका था। ऐसे में हुनरमंदों को अभी नौकरी का इंतजार है।

दीपदान कर 566वां प्राकट्य उत्सव मनाया

गाजियाबाद : सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर में शनिवार को भगवान दूधेश्वर का 566वां प्राकट्य उत्सव मनाया गया। कोरोना को देखते हुए इस बार किसी बड़े कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया गया। केवल परंपरा को निभाते हुए विधि विधान से पूजा अर्चना की। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के सचिव महंत नारायण गिरि ने शाम को भगवान दूधेश्वरनाथ का पंचोपचार, षोडशोपचार, पंचामृत और राजोपचार अभिषेक व पूजन किया गया। दूधेश्वर वेद विद्या पीठ के प्रधानाचार्य तोयराज उपाध्याय एवं समस्त आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोश्चारण के साथ अभिषेक संपन्न किया। वहीं श्रृंगार समिति द्वारा भगवान दूधेश्वर का भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद भगवान को 56 प्रकार के भोग लगाए।

गंदगी फैलाने पर प्रतिष्ठानों पर लगेगा पांच लाख रुपये का जुर्माना

गाजियाबाद : रोजाना सौ किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले प्रतिष्ठानों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नीति–2016 पालन न स्वच्छता अभियान को पलीता लगाया जा रहा है। इनमें मुख्य तौर पर होटल और रेस्टोरेंट संचालक शामिल हैं। देवोत्थान एकादशी के बाद मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन शुरू हो गया है। ज्यादातर होटल, रेस्टोरेंट और फार्म हाउस बुक हैं। ऐसे में सड़कों पर कूड़ा फेंकने से रोकने के लिए नगर निगम द्वारा गंदगी फैलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब नियमों की अनदेखी करने पर एक लाख रुपये से पांच लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा। वैवाहिक समारोह में होने वाले कचरे के निस्तारण में भी लापरवाही बरती जा रही है। खुले में सड़क किनारे खाली स्थान और हरित पट्टी में कूड़ा फेंका जा रहा है। रात में ऐसा किए जाने के कारण आरोपित पकड़ में नहीं आते हैं। जबकि नियम के तहत सौ किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले प्रतिष्ठानों को प्रतिष्ठान में ही कचरा निस्तारण के लिए जरूरी इंतजाम करने अनिवार्य हैं। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार ने बताया कि नगर आयुक्त और महापौर के निर्देश पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। मैं खुद निरीक्षण करने जाऊंगा, कूड़ा निस्तारण के लिए उचित इंतजाम न करने पर पांच लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। बता दें कि 165 प्रतिष्ठान चिह्नित किए जा चुके है।

पोस्ट फेस्टिवल स्ट्रेटजी के तहत डीएम ने नियुक्त किए प्रभारी अधिकारी

गाजियाबाद : त्योहारी सीजन के बाद कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए जिले में लागू की गई पोस्ट फेस्टिव स्ट्रेटजी के तहत जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने जिले में अस्पतालों में प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए हैं। मुख्य चार सरकारी अस्पतालों को मजिस्ट्रेटों के हवाले किया गया है। डीएम अजय शंकर पांडेय ने बताया कि अपर जिला अधिकारी संतोष कुमार वैश्य को जिला एमएमजी अस्पताल का प्रभारी अधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट विपिन कुमार को संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल का प्रभारी अधिकारी संतोष मेडिकल अस्पताल कोविड–एल3 का एसडीएम सदर देवेंद्र पाल सिंह को और राजेंद्र नगर स्थित इएसआइसी अस्पताल का प्रभारी अधिकारी अपर नगर मजिस्ट्रेट शुभांगी शुक्ला को बनाया गया है।

धोखाधड़ी : मृत महिला को जिंदा दिखाकर लिया एक करोड लोन, तीन पर एफआईआर

गाजियाबाद : कविनगर थानाक्षेत्र में मृत महिला को जिंदा दिखा एक करोड़ का लोन लेकर धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। मामले में एसएसपी के आदेश ने तीन आरोपितों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। सीओ द्वितीय अवनीश कुमार ने बताया कि मामले में फरीदाबाद की रहने वाली आरोपित एकता चिटकारा, नीरज चिटकारा और दिल्ली के रहने वाले सुरेंद्र भंडारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार 22 फरवरी 2018 को टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की नई दिल्ली शाखा में एकता चिटकारा व नीरज चिटकारा ने लोन के लिए आवेदन किया। उन्होंने बताया कि वह धनवती नामक महिला से शास्त्रीनगर में डी–ब्लाक स्थित प्लाट को खरीद रहे हैं। लोन के लिए आवेदन करने से कई साल पूर्व धनवती की मौत हो चुकी थी। आरोपितों ने मृत धनवती की जगह किसी अन्य फर्जी महिला को धनवती के रूप में पेश किया और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पहले रजिस्ट्री कराई। इसके बाद उक्त संपत्ति के दस्वातेज बंधक रखकर टाटा कैपिटल हाउड्क्षसग फाइनेंस लिमिटेड ने एक करोड़ की रकम फर्जी धनवती के खाते में ट्रांसफर कर दी। इसके बाद आरोपितों ने फर्जी धनवती के खाते से रकम अपने खातों में ट्रांसफर करा ली और फरार हो गए।

Why Ghaziabad's Kavi Nagar is new burglary hotspot

GHAZIABAD: Kavi Nagar has emerged as the new hotspot for cases of armed robbery. Between July 20 and November 20, the area witnessed two dacoities and over 50 burglaries. In one of the cases, a group of armed robbers cut through the gate and broke open the kitchen window to enter a house on July 28. They held hostage all the 11 family members, including five children, for hours while they looted their home. On August 2, the Ghaziabad police arrested seven accused, including three women, involved in the case. In another instance, a shop owner and his family members were tied up and thrashed with iron rods by four robbers who fled with cash and valuables worth Rs 9 lakh. The incident took place on the intervening night of September 22 and 23, when the shop owner, Sanjay Mittal, his wife and daughter were sleeping. In this case, police arrested two people after ten days of the incident. Yet, the masterminds of both the dacoities are still absconding. Burglaries are also a major concern for the residents and shop owners of the area. On the intervening night of July 24 and 25, armed criminals robbed around 12 shops in Shastri Nagar market, one of the busiest markets in Ghaziabad.The robbers walked away with grocery items, medicine and medical equipment, cosmetics, clothes worth several lakh rupees, and cleaned out a Patanjali store. The entire incident was captured in CCTV cameras installed in the market.Rizwaan, whose shop was burgled by the criminals, told TBC, "The accused had fled with trousers, shirts and kurtas worth Rs 5 lakh, and Rs 20,000 in cash. Two days ago, I had stocked my shop with the new collection of clothes worth Rs 2 lakh that I borrowed from my friends," he added. During Diwali and Bhai Dooj, five houses were robbed by miscreants, when the residents had gone to celebrate the festival with their families back in their hometown. Two of the houses are located just 250m from a police post. According to the cops, cash and jewellery worth Rs 40 lakh were stolen from the homes.On August 15, a house in Kavi Nagar was burgled when the family was visiting an ailing relative in Delhi, and jewellery worth over Rs 10 lakh and Rs 2.5 lakh in cash were stolen. The owner of the house, Ashish Rana, works in a private company in Noida's Sector 63. In the latest incident on Friday, a dentist's house in Kavi Nagar was allegedly burgled and Rs 50,000 in cash and jewellery worth over Rs 5 lakh were stolen.Ramesh Kumar, a resident of Kavi Nagar, said that he has seen no cops deployed on the roads after 9pm. "We have also asked the SHO of the area to deploy more police officers near Avantika area as most of the burglaries took place there (more than 25 after lockdown relaxed)," he said.Sanjay Kannaujiya, another resident of the area said that several check posts were set up during the lockdown.

Ghaziabad gets 100 more beds at new Covid hospital

GHAZIABAD: The district's 14th private Covid hospital became functional on Friday, officials said, adding that it has facilities for 100 beds as of now. Gayatri Hospital is a newly built facility in Lohia Nagar will start as a Covid hospital. With this, the number of beds in private hospitals has gone up to 1,164, including 206 ICU beds. The new hospital has 30 ICU and HDU beds that can be further expanded up to 40. It will cater to L2 and L3 level patients. Dr Ashish Agarwal, IMA president and head of the pulmonary department at the hospital, said: "There are 150 beds available in the hospital, out of which 100 are functional. It will be increased to the maximum capacity if the need arises. There are 30 ICU beds and this number can be further increased to 40. Apart from this, there are four each dialysis units and surgery beds." The hospital management said the treatment of Covid patients will be done at government rates in the hospital. They added that a 30-bed non-Covid unit will soon start working. Agarwal added that the hospital was to be started after some time, but the administration and the health department had given instructions to start it quickly due to a surge in Covid cases. The hospital has been equipped with all modern facilities apart from the centralised oxygen system and a team of specialists. Besides, there are 13 private Covid hospitals functional in the district, and out of which seven have over 100 beds each. While Le Crest has the maximum at 150 beds, Yashoda Hospital's two branches in Nehru Nagar and Kaushambi are running 125 beds and 120 beds, respectively.

Flyover project in Noida hits gas pipeline hurdle

NOIDA: The 6-km-long Chilla elevated road project has hit a hurdle because of a mismatch in the actual location of a gas pipeline and its position on the Noida Authority's utility map. As a result, the agency building the road, which is crucial for the city's connectivity with east Delhi, has to redesign the pile foundation. The gas pipeline was laid by GAIL several decades ago. Engineers now have to find a workaround for the foundation of the pillars of a 2km stretch of the elevated road. Instead of single foundation piles and pillars, GAIL will go for a portal design across the stretch to maintain distance from the underground gas pipeline. Officials said that a detailed site survey to assess the exact alignment of the pipeline was conducted earlier this month and it was found that design of 12-15 pillars will have to be modified to ensure complete safety. Though Uttar Pradesh State Bridge Corporation Limited, the agency executing the project, had finalised the current alignment after studying the detailed project report and the utility map, the situation was different on the ground. "A variation of more than a metre was found between the actual location of the pipeline and what was mentioned in the utility map. The pipe runs in a zig-zag along the 1.2-km-long stretch close to the drain," said an official involved in the project. A senior GAIL official deputed in Noida, who did not wish to be identified, said that the utility services plan is prepared by the local municipal authority.

Noida: In 3 years, solvers' gang got 100 government and police jobs

NOIDA: A racket providing 'expert' exam writers managed to get at least 100 candidates who availed of its services qualification for government jobs, and all of them are now working in different government departments as well as Delhi Police and Haryana Police, an investigation by Noida police has found so far. The racket was unearthed over the weekend with the arrest of nine suspects, including a man who police said had qualified for an assistant section officer job in the defence ministry and was waiting for an appointment letter, and two Delhi Police constables. Police have subsequently made two more arrests – the owner and superintendent of an exam centre in Delhi's Mundka that hosted various tests, including those for government jobs and banks. The accused, police said, used face blender apps to sneak the solvers into the exam hall in place of the candidate without raising suspicion – the final photo had some features of the candidate but some of the impersonator too. The racket, operating for at least three years, according to police, charged anything between Rs 10 lakh and Rs 35 lakh for its services, going by the weight of the exam. While there were around 10-15 solvers used by the racket, police have identified an income-tax inspector Ravi, a former I-T inspector Mudit Kanojia, and Arvind Singh, who is allegedly an assistant section officer in a central ministry, as the masterminds. The first arrests were that of three solvers – Arpit, Dinesh Chaudhary and Aman – from a centre hosting an exam for Delhi Police selections at Sector 62 in Noida. They led the cops to the others: Dinesh Prajapati (the man who was expecting to join the MoD), Ravindra Kumar and Manjeet Singh (Delhi Police constables) and four others. The two who ran the exam centre 'TMC' in Mundka were identified as Manoj Singh and Praveen, residents of Charkhi Dadri and Jind, in Haryana. The duo, according to police, had siphoned off the money they earned from the racket. The centre had allegedly been operational since August 2019. Noida police said it will notify Delhi Police for the blacklisting of the centre, where an Indian Oil exam was to be held in December. Manoj Singh is the brother-in-law of Dinesh Chaudhary, one of the nine accused arrested on Saturday. Praveen would arrange for the solvers. His main solver was Aman, a Jhajjar resident. ACP Rajnish Kumar told TBC Aman had cleared SSC/CGL (combined graduate level) and stayed in Mukherjee Nagar. "Praveen would hire Aman as the main solver. He is the cousin of Delhi Police constable Manjeet, who was arrested on Saturday. Police will write to the concerned authority for blacklisting of the centre for usage in government exams," Kumar said, adding, "They had been pitching for holding the exam (for Indian Oil) in their centre and had been looking for applicants and solvers." DCP (Noida) Rajesh S said police have found photographs of 70-80 people, including applicants, in data recovered from devices of the accused were using.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोश अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

जीएम 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम– –9643322921
एसएचओ खोड़ा– –9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद– – 9643322923
एसएचओ लिंक रोड– –9643322924
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-4561000

Delhi-Meerut Expressway won't be able to meet deadline of Dec 31

Ghaziabad: The National Highways Authority of India (NHAI) has told Union minister Nitin Gadkari that they would not be able to complete the Delhi-Meerut Expressway by December 31, the deadline set by him. NHAI has sought time till February to make the expressway operational. NHAI officials, who met Gadkari recently and expressed inability to complete the highway in time, said he had "informally" agreed to the request. Work is going on in two sections of DME UP Gate to Dasna and Dasna to Meerut. At the meeting, the officials said they had informed Gadkari about the various roadblocks that were holding up the project. It was in August this year that the Union road transport and highways minister had announced that the DME would be made operational by December 31. "Work had been severely affected by the pandemic. Since the announcement, we had been working round-the-clock," said an NHAI official. "We told the minister about the various problems we are facing. He has informally agreed to our request for extending the deadline," he added. According to the official, NHAI hoped to make the whole of DME operational by February next year. "A lot of work is left on the two remaining sections. All the work may not be complete, but we can still make the expressway operational by then," said the official.

Four injured in gas cylinder blast in Sector 62

NOIDA: At least four people, including a 10-year-old boy, have been seriously injured after an LPG cylinder exploded in a house in Nawada village in Sector 62. The child has been referred to Safdarjung hospital, and his parents and a neighbour who came to the house to rescue them and got injured, were admitted to district hospital from where they were discharged. According to police, a family member had left the gas switched on by mistake through Sunday night and the blast happened as soon as the boy's mother Roshni tried to light a burner the following morning for preparing tea. Roshni and the boy received serious injuries. When her husband and a neighbour, Shanti, rushed to save them, they also suffered burns.

Woman 'raped' by four says Noida cops asked her to hush it up

GNOIDA: The family of a 56-year-old woman who was allegedly raped by four assailants has charged that the police asked them to hush up the matter. They also claimed that it was a theft and not loot. The men had fled with cash and jewellery after holding the woman's husband, daughter and son hostage. Noida police has, however, denied the allegations, stating that they in fact took a fresh complaint from the family to include the rape allegation, but a medical examination has ruled out any internal/external injury and presence of sperm. An FIR has been lodged in the case under IPC sections 376-d (gang rape) and 394 (voluntarily causing hurt while committing robbery). The family has alleged that they were attacked on the intervening night of November 27-28 by cattle thieves who looted their cash, jewellery and two cattle. They said the woman was raped by the men who dragged her to a distance. Talking to media, the woman alleged that they folded hands before the accused but they didn't listen and took out all the boxes from their shanty on the outskirts of Palla village in Dadri. Her relative told mediapersons that while she was accompanying the woman to the hospital, the police told them that they should only inform about the theft and not to reveal about the gang rape.

High on airport, YEIDA office to be bigger than Noida's

GNOIDA: Assigned the job to develop an industrial township along the 165-long Yamuna Expressway as well as an international airport in Jewar, the Yamuna Expressway Authority will finally have a swanky new office in Sector 18 along the high-speed corridor. But it shall still be a long wait of at least three years. Given the mandate to promote industrial activity along the expressway, YEIDA has been operating out of Sector Omega 1 in Greater Noida for more than a decade. However, with several big ticket projects slated to come up in the region, the Authority has decided to pack up its bag and shift to Sector 18. Established in 2001, YEIDA practically became operative in 2009 when it launched its first plotting scheme.

Covid centre to submit report on best practices

GHAZIABAD: The integrated Covid command and control centre has expanded in the past eight months and currently, 13 wings are operating with 100 staff members, including 70 from the health department, who are working in shifts. The centre monitors all Covid-related activities, from allocating facilities to keeping tabs on elderly and pregnant women. Last week, during a visit, state principal secretary (health) Alok Kumar had asked the district administration to submit a report on the centre so that the best practices can be replicated. A team from Meerut had also visited the centre. District magistrate Ajay Shankar Pandey said new wings are being added to the Covid centre according to requirement. An additional district magistrate-level officer has been appointed to oversee the daily operations. The centre has Covid portal wing where details of patients from all Covid hospitals are collected, counselling and facility allocation wing from where patients are told about home isolation and hospital admissions and there is a medical helpline wing, which looks after complaints related to Covid sampling, sanitisation and hospitalisation. The centre also has an ILI/SARI booth-level wing from where booth officers can call up people in their respective areas and trace symptomatic patients. Elderly and pregnant women are also monitored from the centre. Recently, a Covid hospital monitoring and patient feedback wing, and a drone surveillance wing to monitor Covid protocol violations have been added by the administration. "It is a one-stop window for all Covid-related issues. Staff members are being pulled up if we get any complaints regarding their work through social media, phone calls or from the grievance portal," the DM said. A senior official said home isolation wing calls up patients daily. In case a patient's condition is deteriorating, the officials make arrangements to shift the person to a hospital. When the lockdown started, the control room started working as a district disaster control room from March 26 and another control room at MMG District Hospital under the health department started keeping tabs on Covid patients.

26-yr-old pregnant woman accuses doctor of molestation during ultrasound in Dadri

GNOIDA: A 26-year-old pregnant woman has accused a doctor of molestation during her ultrasound treatment on Wednesday afternoon. The incident happened at the Vidya ultrasound centre, railway road, Dadri when the woman had gone to get her ultrasound done along with her cousin. According to police, the woman alleged that the doctor Rajbir Nagar allegedly touched her inappropriately and shuffled her clothes during her ultrasound procedure and was drunk at the time of procedure. ACP-2 (Greater Noida) Nitin Singh told TBC that the woman has told police that when she went to the centre on Wednesday, the doctor Rajbir Nagar alleged touched her inappropriately and shuffled her clothes with a bad intention during the procedure.

Grow your veggies, eat them too: Schools show the way ahead in UP

GNOIDA: State government schools are now growing vegetables in the backyards to supplement midday meal kitchens. While many districts in Uttar Pradesh have been working on the initiative, Poshan Vatika, for the past two years, Gautam Budh Nagar has just started working on the scheme with around 400 anganwadis growing vegetables on small scale. The education officer of the district says the same is expected to be replicated in primary and junior schools for which preparation is going on. Schools, however, think it is easier said than done because there is a sheer lack of infrastructure, water supply and manpower support. "There are around 1,500 anganwadis in the district and we have started this initiative to help spread information and awareness among young students about the value of nutritious food. The vegetables were planted and everyone was free to consume what was being grown. So far, some 400 anganwadis in the district have such gardens," Anil Singh, the chief development officer of Gautam Budh Nagar said. The programme is also being replicated in government schools. Though none are ready at the schools yet, the district inspector of schools (DIOS), Neeraj Pandey, said it is likely that several schools would soon be having these gardens. "We have informed some schools in Greater Noida to start preparing for these gardens. I'm sure they will be working on them in some time," he said.

Bike Bot scam: Congress MLA from Rajasthan among 58 booked

NOIDA: Following an order from Surajpur court, Noida police booked 58 people, including a Congress MLA from Rajasthan, in the Rs 42,000-crore Bike Bot scam on Friday. The move comes after 632 complainants, led by Vikas Baliyan, a resident of a Muzaffarnagar, approached the court alleging that they had submitted a complaint with the Noida police and the Meerut Economic Offences Wing (EOW) but no FIR had been registered. The complainants further claimed that the accused had promised to double the returns on their investments and also promoted bike taxi schemes through senior bureaucrats and celebrities, whom they would call at their promotional events.

Dog menace: Noida urges RWAs to fix feeding spot

NOIDA: The issue of dog menace across residential societies of Noida has again come to the fore with at least five incidents of stray dogs attacking residents and biting them. At least four people, including a senior citizen, were attacked by stray canines in the Sai Apartment of Sector 71 on Friday evening and Saturday morning resulting in outrage among residents against authorities responsible for sterilisation of the dogs. Two days ago, a resident of a Greater Noida society was allegedly attacked by two stray dogs and wounded badly. In the first incident, 25-year-old Kajal Gupta was bitten on her right thigh. Soon after she was taken to a hospital, RD Garg (57), a resident, was bitten by the same dog. The elderly man suffered injuries on his right knee. His daughter Shivani Garg told TBC that her father survived an attack on the face due to the cap he was wearing but was badly wounded in the leg. "He was bleeding till late night and doctors asked to keep an eye out for the dog. Such incidents are a regular affair here," she alleged. Another resident got bitten by a dog in the society on Friday evening, while a plumber was attacked by some strays on Saturday. RWA president Sushil Yadav alleged that a junior engineer employed with Noida Authority feeds the dogs. "We have requested him not to feed the dogs but he takes offence," he alleged. "Multiple complaints have been given to the DM and Noida Authority but nothing happened, so we stopped complaining," he said.

स्वच्छता अभियान : जिले के 161 गांवों में सर्वे कर रही 22 टीमें, बदलेगी सूरत

गाजियाबाद : जिले के गांवों की सूरत जल्द ही बदली हुई दिखाई देगी। गांवों में स्वच्छता के लिए पंचायत विभाग द्वारा सर्वेक्षण शुरू करा दिया गया है। 22 टीमें जिले के 161 गांवों में सर्वे कर रही हैं। इन टीमों में स्वच्छाग्रही, सामाजिक कार्यकर्ता व ब्लॉक कॉर्डिनेटर को रखा गया है। टीम गांवों में टॉयलेट की स्थित, गीला व सूखे कूड़े के निस्तारण और गांवों में गंदगी का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा और शासन से बजट पास होने के बाद तेजी से काम कराया जाएगा। कचरे से खाद बनाने की योजना के साथ नालियों का गंदा पानी साफ कर तालाब में छोड़ने की प्रशासन की योजना है। बता दें कि दो वर्ष पूर्व स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण में गाजियाबाद ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया था। इसके साथ ही वर्ल्ड टॉयलेट प्रतियोगिता में जिले का नाम देश के बेहतर प्रदर्शन करने वाले 12 जिलों में शामिल हुआ था। इस उपलब्धि को कायम रखने के लिए यह कार्य किया जा रहा है। टीमें गांव–गांव जाकर वहां निकलने वाले कूड़े, टॉयलेट से वंचित घरों का निरीक्षण कर रही हैं। निरीक्षण के बाद विकास कार्य का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। शासन से प्रस्ताव मंजूर होने के बाद स्वच्छता कार्यक्रम शुरू कराया जाएगा।

कूड़े से बनाई जाएगी खाद

गांवों से निकलने वाले कूड़े से खाद तैयार करने की योजना है। इसके तहत कूड़े को एकत्र कराकर एलएमसी की भूमि में गड्ढे कर इसे दबाया जाएगा। विभाग का दावा है कि 45 दिन में गड्ढे में दबे हुए कूड़े से खाद तैयार हो जाएगी। इसके साथ ही छोटी–बड़ी नालियों में जाली लगाकर मोटे कूड़े को एकत्र कराया जाएगा और यहां से निकलने वाले पानी को सीधे तालाब में छोड़ा जाएगा।

सेफ्टी शूज के गोदाम में आग से लाखों का नुकसान

गाजियाबाद : नंदग्राम स्थित सेफ्टी शूज के गोदाम में शनिवार दोपहर बाद संदिग्ध हालात में आग लग गई। अधिकांश माल रबर का होने के कारण चंद मिनटों में ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। रिहायशी इलाके में आग लगने के कारण अफरातफरी मच गई और आसपास के मकानों से लोग बाहर आ गए। दमकल की तीन गाडियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एफएसओ कोतवाली सुशील कुमार ने बताया कि नंदग्राम निवासी अमित त्यागी का रिहायशी इलाके आदर्श नगर में सेफ्टी शूज का गोदाम है। अमित गोदाम में बने अपने कार्यालय में बैठे थे के पहली मंजिल से धुआं उठने लगा। उन्होंने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग फैलती गई। सूचना के बाद एफएसओ टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दमकल की तीन गाडियों की मदद से एक घंटे में आग पर काबू पाया। अमित का कहना है कि आग में लाखों रुपये का माल जल गया।

जिले में 79 बारात घर और फार्म हाउसों में नहीं है आग बुझाने के इंतजाम

गाजियाबाद : शहर के 79 बारात घर,होटल और फार्म हाउसों में आग बुझाने के इंतजाम जीरो है। जीडीए से स्वीकृत मानचित्र के अनुसार इन बारात घरों और होटलों में प्रवेश और बाहर निकलने के गेट नहीं हैं। आपातकालीन गेटों का भी इंतजाम नहीं किया गया है। मानकों के अनुरूप सुरक्षा के इंतजाम भी नहीं हैं। जांच करने पर पाया गया है कि इनमें आग बुझाने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। लगाए गए उपकरण खराब पड़े हैं। कई बारात घरों में आग बुझाने के लिए लगाए गए उपकरणों में जंग तक लग गई है। अग्निशमन विभाग ने जीडीए सचिव को पत्र भेजकर उक्त बारात घरों को सील किए जाने का अनुरोध किया गया है। जीडीए सचिव संतोष कुमार राय ने बताया कि आग बुझाने एवं सुरक्षा के व्यापक इंतजाम न पाए जाने वाले बारात घर, होटल, मेरिज हाल और फार्म हाउसों को आवास अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत सील किया जाएगा। अग्निशमन विभाग द्वारा भेजी गई सूची संबंधित प्रवर्तन खंड के प्रभारियों को उपलब्ध करा दी गई है। अभियान चलाकर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

ग्रीन बेल्ट में बने बारात घर

जीडीए अधिसूचित क्षेत्र में कई बारात घर और फार्म हाउस ग्रीन बेल्ट में चल रहे हैं। जीडीए स्तर पर कई बार इनकी सूची बनाते हुए नोटिस भी जारी किए गए हैं। सील भी किए गए हैं लेकिन धीरे–धीरे इनका संचालन शुरू हो जाता है। पहली बार अग्निशमन विभाग ने आग बुझाने के व्यापक इंतजामों को लेकर जांच कराई है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि डीएम के आदेश पर जिले भर के बारात घर, धर्मशाला, होटल,बैक्वेट हाल, फार्म हाउस,लाज,मेरिज हाल,पार्टी लान और सामुदायिक केंद्रों का निरीक्षण कराया गया।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.